View this email in your browser

शिक्षा संस्कार ॐ सहभागिता समरसता

बांसवाड़ा परियोजना

कार्यालय –भारत माता मन्दिर, राती तलाई, बांसवाड़ा (राज.) 327001
फेक्स : 02962-240018, फोन नं. 02962-240018, मो. नं. 9414101912, 9414102261
Email : bharatmatamandirnyas@gmail.com ♦ Website : www.banswarapariyojana.com

माह - दिसंबर 2023 विक्रम सम्वत 2080

बांसवाड़ा परियोजना वृत्तपत्र

गीता जयंती भजन मंडली एवं बांसवाड़ा परियोजना वार्षिक बैठक

भारत एक आध्यात्मिक राष्ट्र है जहाँ धर्म, भक्ति और साधना जीवन का अभिन्न हिस्सा माने जाते हैं। इस देश की सांस्कृतिक आत्मा को जीवित रखने में भजन मंडलियों और संत सम्मेलनों की अहम भूमिका होती है। भजन मंडली एक ऐसी धार्मिक-सांगीतिक परंपरा है, जिसमें भक्तजन एकत्र होकर भगवान के गुणगान करते हैं। इसमें हारमोनियम, ढोलक, मंजीरा और झांझ जैसे वाद्ययंत्रों के साथ श्रद्धा और भक्ति से भरे भजन गाए जाते हैं, जो मन को शांत और आत्मा को आनंदित कर देते हैं। जब लोग मिलकर प्रभु का नाम सुमिरन करते हैं तो वह वातावरण एक भक्तिमय उत्सव का रूप ले लेता है। बांसवाड़ा डूंगरपुर के जनजाति क्षेत्र में असीम श्रद्धा का एक सौम्य रूप इस भजन मंडली हैजहां रात भर भगत जनजाति बंधू भगिनियाँ प्रभु का भजन करते हैं।

वहीं दूसरी ओर, संत सम्मलेन वह मंच होता है जहाँ विभिन्न संत, महात्मा और आध्यात्मिक गुरु एकत्र होते हैं और अपने अनुभवों, ज्ञान और उपदेशों से जनमानस का मार्गदर्शन करते हैं। संतों के विचार और उनकी वाणी लोगों के मन में धर्म, करुणा, संयम, और सच्चाई जैसे मूल्यों को जगाने का कार्य करते हैं। संत सम्मलेनों में किसी विशेष संप्रदाय का भेद नहीं होता, बल्कि ये आयोजन सभी धर्मों और जातियों के लोगों को एक सूत्र में बाँधते हैं और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के भाव को सजीव कर देते हैं।

भजन मंडली और संत सम्मलेन समाज को जोड़ने और जागरूक करने का एक सशक्त माध्यम हैं। जहाँ एक ओर भजन मंडलियाँ लोगों को ईश्वर से जोड़ती हैं, वहीं संत सम्मलेन उनके जीवन में दिशा और उद्देश्य प्रदान करते हैं। ये न केवल धार्मिक आयोजनों तक सीमित हैं, बल्कि समाज में नैतिकता, भाईचारा, और सह-अस्तित्व की भावना को भी प्रबल करते हैं। इनसे हमें न केवल अध्यात्मिक संतुलन प्राप्त होता है, बल्कि ये हमारी संस्कृति की गहराई और गरिमा को भी

इसलिए आज के युग में, जब आधुनिकता और व्यस्त जीवनशैली के कारण लोग तनाव और भटकाव से जूझ रहे हैं, ऐसे में भजन मंडली और संत सम्मलेन एक प्रकार की आत्मिक औषधि की तरह कार्य करते हैं। इन आयोजनों को बढ़ावा देना, उनमें सहभागिता करना, और अगली पीढ़ी को इनसे जोड़ना हमारा सांस्कृतिक और नैतिक दायित्व बन जाता है।

बांसवाड़ा परियोजना बैठक में इस बार श्री निम्बाराम जी , क्षेत्र प्रचारक , राजस्थान का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। परियोजना के अधिकारीयों ने ेवर्षिक वृत्त रखा एवं गतिविधियों की जानकारी दी। श्री निम्बाराम जी ने अपने उद्बोधन में कार्य की गति और दिशा दोनों का ध्यान रख के काम करने से परम वैभव की जो कल्पना हमने की है वह प्राप्त कर पाएंगे ऐसा कहा। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुयी।